सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें। यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नहीं पहुचाइए। - दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 129 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 12 जून, 2024

रिजवान का अर्धशतक, पाक को... 7 | सियासी दलों में हार-जीत पर... 3 | वाराणसी से जान बचाकर भागे... 2

इस बार संसद में आक्रामक विपक्ष से होगा मोदी का सामना

राज्यसभा का सत्र 27 जून से होगा प्रारंभ

संसद सत्र 24 जून से शुरू हो कर तीन जुलाई तक चलेगा

» इंडिया गठबंधन एनडीए सरकार को घेरने को तैयार

» नवनिर्वाचित संसद सदस्यों को दिलाई जाएगी शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई लोकसभा गठित हो चुकी है। इसबार किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। पर एनडीए की सरकार ने कामकाज संभाल लिया है। उसके प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी बने हैं। नई लोस का सत्र 24 जून को होगा। इसबार सरकार पर विपक्ष के हावी होने की प्रबल संभावना है। इंडिया गठबंधन को 234 से ज्यादा सीटें मिली है जबकि सत्ता पक्ष 292 रन पर सिमट गई है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आक्रामक विपक्ष द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश की जा सकती है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा जिसमें नवनिर्वाचित संसद सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। सत्र के पहले तीन दिन में नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे तथा सदन के अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। सत्र तीन जुलाई को संपन्न होगा। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे। राज्यसभा का सत्र 27 जून से प्रारंभ होगा।

चुनाव में 400 पार के नारे ने किया बंटाधार : एकनाथ

मुंबई। क्या महाराष्ट्र में महायुति सरकार में शामिल घटक दलों के बीच सब कुछ ठीक चल रहा है? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि लोकसभा चुनाव परिणामों में सत्तारुढ़ गठबंधन को तगड़ा झटका लगने और फिर केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री पद नहीं मिलने से शिवसेना और एनसीपी की नाराजगी बार-बार बाहर आ रही है। हालांकि जब नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल का नेता चुना जा रहा था तब शिवसेना अध्यक्ष और महाराष्ट के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि यह फेविकोल का मजबूत जोड़ है जो टूटेगा नहीं लेकिन अब उन्होंने एक ऐसी बात कह दी है जिससे स्पष्ट हो रहा है कि महाराष्ट्र सरकार में अंदरूनी खींचतान चल रही है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि हालिया लोकसभा चुनाव में 400 पार के नारे के बाद लोगों के मन में संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने जैसी आशंका उत्पन्न हो गई।

उम्मीद है राजग सरकार स्थिर रहेगी और अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी : पवार

राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने उम्मीद जताई कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार स्थिर रहेगी और व्यापार एवं कारोबार को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक उपाय शुरू करेगी। बारामती में व्यापारियों को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई उनकी आलोचना को तवज्जो नहीं दी और उनका ध्यान उचित मदद के साथ क्षेत्र में व्यापार एवं अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर होगा। राजनीति में मतभेद होते हैं, लेकिन अर्थव्यवस्था ठोस होनी चाहिए। एक मजबूत अर्थव्यवस्था व्यापार और व्यवसाय को बढ़ावा देती है तथा आज हम सभी यही उम्मीद करते हैं। मुझे उम्मीद है कि सरकार स्थिर रहेगी और वह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कदम उठाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दी जानकारी

रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून 2024 से तीन जुलाई 2024 तक नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ, अध्यक्ष के चुनाव, राष्ट्रपति के अभिभाषण और उस पर चर्चा के लिए बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून को शुरू होगा और तीन जुलाई को संपन्न होगा। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद में अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों का परिचय देंगे।

राष्ट्रपति 27 जून को संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी और अगले पांच वर्ष के लिए नई सरकार के कामकाज की रूपरेखा पेश करेंगी।

जल संकट पर दिल्ली सरकार से सुप्रीम कोर्ट नाराज

» पूछा- पानी बर्बादी रोकने के लिए आपने क्या किया

» हिमाचल सरकार से भी सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच जल संकट बढ़ता जा रहा है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए दिल्ली सरकार से सवाल किया कि टैंकर माफिया को रोकने के लिए आपने क्या कदम उठाए हैं, पानी की बर्बादी को रोकने के लिए आपने क्या काम किया? दिल्ली में पानी की किल्लत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह कोई नया मामला नहीं है।

पिछले कुछ सालों के दौरान यह मामला लगातार कोर्ट के सामने आता रहा है। ऐसे में अगर गर्मियों में हर साल इस तरह की दिक्कत होती है तो आपने उससे निपटने के लिए क्या कदम उठाए हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हम लगातार न्यूज़ चैनल पर देख रहे हैं कि किस तरह से दिल्ली में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। इसके अलावा अवैध तरीके से पानी को ले जाया जाता है। इसको लेकर क्या किया गया? कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश सरकार के वकील से सवाल किया कि हर दिन 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल हरियाणा को दिया गया या नहीं, वहीं, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि हमने कई कदम उठाए हैं।

अवैध तरीके से पानी ले जाने वालों पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई करे : आप

दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि अवैध तरीके से पानी को ले जाने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस कार्रवाई करें। कोर्ट ने दिल्ली सरकार के वकील से सवाल किया कि आप हमको बताओ कि आपने पानी की बर्बादी और पानी की अवैध तरीके से होने वाली खरीद को रोकने के लिए क्या किया है।

एडीएम व एसडीएम करेंगे पाइपलाइन की मॉनिटरिंग : आतिशी

दिल्ली में जल संकट के बीच केजरीवाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पानी की बर्बादी रोकने के लिए दिल्ली सरकार फैसला लिया है कि एडीएम-एसडीएम पानी की पाइपलाइन की मॉनिटरिंग करेंगे। सरकार का कहना है कि कहीं भी पानी की लीकेज बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम एक बूंद पानी भी बर्बाद नहीं होने देंगे। मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

एलजी ने की हरियाणा के सीएम से बात

एलजी वीके सक्सेना ने हरियाणा के सीएम नायब सैनी से बातचीत की। वीके सक्सेना ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से बीते सोमवार को बात हुई। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली को आवंटित हिस्से के अनुसार पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। चल रही गर्मी की लहर के कारण राज्य की अपनी बाधाओं के बावजूद हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

भाजपा ने सीएम केजरीवाल से मांगा इस्तीफा

छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में पानी के भीषण संकट से क्षुब्ध हजारों नागरिकों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने जल बोर्ड कार्यालय पर प्रचंड प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष और दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और पूर्व विधायक चौ. ब्रह्म सिंह तंवर ने सम्बोधित किया। भाजपा नेताओं ने जल संकट के लिए सीएम केजरीवाल से त्यागपत्र की मांग की।

वाराणसी से जान बचाकर भागे मोदी : राहुल गांधी

» बोले- बहन प्रियंका गांधी लड़तीं तो हार जाते पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली और अमेठी की जनता को धन्यवाद दिया। अपने भाषण में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से कैसे भी जान बचाकर भागकर आए हैं। वो वहां से हारते-हारते बचे हैं। मैं अपनी बहन से कहता रहा हूं कि यदि वह वहां से लड़ जाती तो पीएम दो ढाई लाख वोटो से हार जाते। उनकी इस बात पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। फैजाबाद सीट पर भाजपा के हारने पर राहुल गांधी ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ये अध्योध्या की सीट हार गए हैं।

इसके मतलब साफ हैं। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अरबपति लोग बुलाए गए, पूरा बॉलीवुड आया। अंबानी और अडानी आए लेकिन एक गरीब व्यक्ति को वहां आमंत्रित नहीं किया गया। इसके जवाब उस क्षेत्र की जनता ने दिया है। जनता ने अपना महत्व बताया है। राहुल गांधी ने यह बात इसलिए कही क्योंकि इस बार पीएम मोदी के जीतने का अंतर पिछले दो चुनावों की तुलना में काफी कम हो गया। पीएम मोदी वाराणसी सीट से करीब डेढ़ लाख वोटों से जीते हैं। मतगणना के दिन वह कुछ दिन कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय से पीछे भी चल रहे थे। वाराणसी में पीएम मोदी की जीत का मार्जिन कम होने पर बीजेपी आलाकमान भी स्थानीय नेताओं से नाराज है।

मोदी ने जनता की ताकत समझा, तभी संविधान को माथे पर लगाया

राहुल गांधी ने कहा कि आपने देखा होगा कि इस बार मोदी ने संविधान को हाथों से उठाकर माथे पर लगाया है। आपने अपनी ताकत का एहसास उन्हें करा दिया है। यह इशारा दे दिया है कि वह संविधान को जरा सा भी छुएंगे तो जनता उनके साथ क्या करेगी।

संसद में इंडिया गठबंधन की सेना बैठेगी

उन्होंने कहा कि संसद में इंडिया गठबंधन की सेना बैठी हुई है। इस बार कोशिश रहेगी कि अग्निवीर योजना को रद्द कराएं क्योंकि इतनी शक्ति आपने दे दी है। आपने राजनीतिक विजन देने के साथ ही बदलाव के लिए वोट किया है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेठी की जनता से भी मैं कहना चाहता हूं कि मैं रायबरेली का सांसद हूं, लेकिन जो विकास रायबरेली में होगा, वही विकास कार्य अमेठी में भी होगा। आपने दिल से हिंदुस्तान की राजनीति बदल दी है। आपने पूरे देश को मैसेज दिया कि हम नफरत के खिलाफ हैं। मोहब्बत की दुकान खोलेंगे।

चुनाव में जनता ने हिंसा, झूठ और अहंकार के खिलाफ वोट दिया

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की जनता ने नया विजन दिया है। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में जनता ने हिंसा, झूठ और अहंकार के खिलाफ वोट किया है। भाजपा के लोग संविधान को बदलने की बात कर रहे थे पर जनता ने उन्हें संविधान को माथे से लगाने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान ने मैसेज भेजा है कि नफरत, हिंसा मुझे नहीं चाहिए। मुझे मोहब्बत की दुकान चाहिए। जनता ने भाजपा को नकार दिया है। जनता ने इंडिया गठबंधन यानि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को मजबूत बनाया है। ये जहां नफरत फैलाते हैं, वहां हमें मोहब्बत की दुकान खोलनी है।

मोदी सरकारी परिवार को बांट रहे सत्ता की वसीयत

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, जो लोग पीढ़ियों के संघर्ष, सेवा और बलिदान की परंपरा को भाई-भतीजावाद कहते हैं, वे सत्ता की इच्छा को अपने सरकारी परिवार को बांट रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा परपरिवारवाद की राजनीति की बात आने पर पाखंड का आरोप लगाया। राहुल ने आरोप लगाया कि जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई मौकों पर कांग्रेस नेताओं के बलिदान को भाई-भतीजावाद कहकर खारिज कर दिया है, वहीं सोमवार को पोर्टफोलियो आवंटन में एक सरकारी परिवार को सत्ता का वितरण देखा गया। कांग्रेस सांसद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, जो लोग पीढ़ियों के संघर्ष, सेवा और बलिदान की परंपरा को भाई-भतीजावाद कहते हैं, वे सत्ता की इच्छा को अपने सरकारी परिवार को बांट रहे हैं। राहुल ने एक्स पर लिखा कि पीढ़ियों के संघर्ष, सेवा और बलिदान की परंपरा को परिवारवाद कहने वाले अपने 'सरकारी परिवार' को सत्ता की वसीयत बांट रहे। कथनी और करनी के इसी फर्क को नरेंद्र मोदी कहते हैं! पोस्ट के साथ राहुल ने 20 कैबिनेट मंत्रियों की सूची भी साझा की, जिनके रिश्तेदार पहले केंद्र या राज्य सरकारों में पदों पर थे।

गरीबों के मसीहा हैं लालू प्रसाद : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अपने पिता के बारे में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू प्रसाद गरीबों के मसीहा हैं। उन्होंने हमेशा गरीबों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। रेल मंत्री के रूप में अपनी भूमिका के दौरान उन्होंने 90,000 करोड़ रुपये का मुनाफा दिया। उन्होंने बिहार को 2-3 रेलवे कारखाने दिए। उनके नेतृत्व में, मुझे उम्मीद है कि पार्टी बढ़ती रहेगी।

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का आज 77वां जन्मदिन है। परिवार संग उन्होंने आधी रात को अपना जन्मदिन मनाया। सोमवार मध्य रात्रि पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप और तेजस्वी यादव, रोहिणी आचार्य के साथ लालू प्रसाद ने केक काटा।

पटना की सड़कों पर राजद समर्थकों ने किया डांस

इधर, लालू प्रसाद की जन्मदिन की खुशी में राजद समर्थकों ने पटना की सड़कों पर जमकर डांस किया। राजद कार्यालय के बाहर भी कई समर्थक डांस करते नजर आए। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन है। लालू ने गरीबों और पिछड़ों को पहचान दिलाई। वह हमेशा स्वस्थ्य रहें, हमारी यही कामना है।

परिवार संग लालू ने मनाया जन्मदिन

आप जैसे विराट व्यक्तित्व की बेटी होना मेरा सौभाग्य है : रोहिणी

जन्मदिन की बधाई देते हुए रोहिणी आचार्य ने लिखा कि आप जैसे विराट व्यक्तित्व की बेटी होना मेरा सौभाग्य है,बचपन से ही आपने मुझे जीवन को जीने, इंसानियत, प्यार, त्याग और मेहनत का सच्चा मतलब सिखाया है। मैं आपकी गोद में खेली,आपकी उंगली पकड़ कर चलना सीखा,यही मेरे हिस्से का दैवीय आशीर्वाद है। आपको जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं।

आगे बढ़ने के लिए समाज का एकजुट रहना जरूरी : अपर्णा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यादव समाज के सबसे बड़े सामाजिक संगठन यादव मंच के द्वारा लखनऊ में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें यादव समाज के विभिन्न दलों के राजनेता, अनुभवी समाजसेवी, वरिष्ठ अधिकारी और पत्रकारों का अद्भुत संगम नजर आया। कार्यक्रम में संगठन की बैठक के साथ यादव समाज की आवाज को ताकत प्रदान करने के लिये यादव मंच पत्रिका का विमोचन भी किया गया। अध्यक्षता इंजीनियर आर वाई यादव ने की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अपर्णा यादव ने यादव मंच पत्रिका का विमोचन करने के बाद यादव समाज को संबोधित करते हुये कहा कि यादवों को आगे बढ़ने के लिये एकजुट होना होगा। आज अगर यादव समाज पीछे है तो इसका एक बड़ा कारण हमारी आपस की टूटन है जिसे हमें दूर करना है। हमें एकजुट होना है और एक मंच पर खड़े रहना है। उन्होने यादव समाज की महिलाओं का आह्वाहन करते हुये कहा कि जब यादव समाज की महिलाएं आगे आयेंगी तो यादव समाज के साथ देश का भी विकास होगा। अपर्णा यादव ने कहा कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने में यादवों का खास योगदान है। क्योंकि देश में 16 प्रतिशत की आबादी वाले यादव समाज के योगदान के बिना ये कार्य संभव नहीं था। उन्होने कहा कि यादव समाज केवल देश के उत्तर क्षेत्र में ही नही बल्कि दक्षिण के राज्यों में भी काफी प्रभावशाली है। यहां तक कि गुजरात में भी यादव समाज की बड़ी आबादी है।

अहीर रेजीमेंट की मांग जायज

अपर्णा यादव ने अहीर रेजीमेंट का सपोर्ट करते हुये कहा कि अहीर रेजीमेंट की मांग जायज है और मैं

पूरी तरह इसका समर्थन करती हूं। मैं इस मांग को सरकार तक पहुंचाऊंगी। उन्होने यादव समाज के अड़गड़ानंद जी महाराज को नमन करते हुये कहा कि अड़गड़ानंद जी से हमारे परिवार का बहुत खास संबंध रहा है। बीजेपी नेत्री अपर्णा यादव ने यादव मंच के संयोजक अनुराग यादव की मांग पर यह आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार से शीघ्र ही यादव समाज के लिये एक कार्यालय हेतु भवन की व्यवस्था करवाई जायेगी और इस कार्य के लिये मैं विशेष प्रयास करूंगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

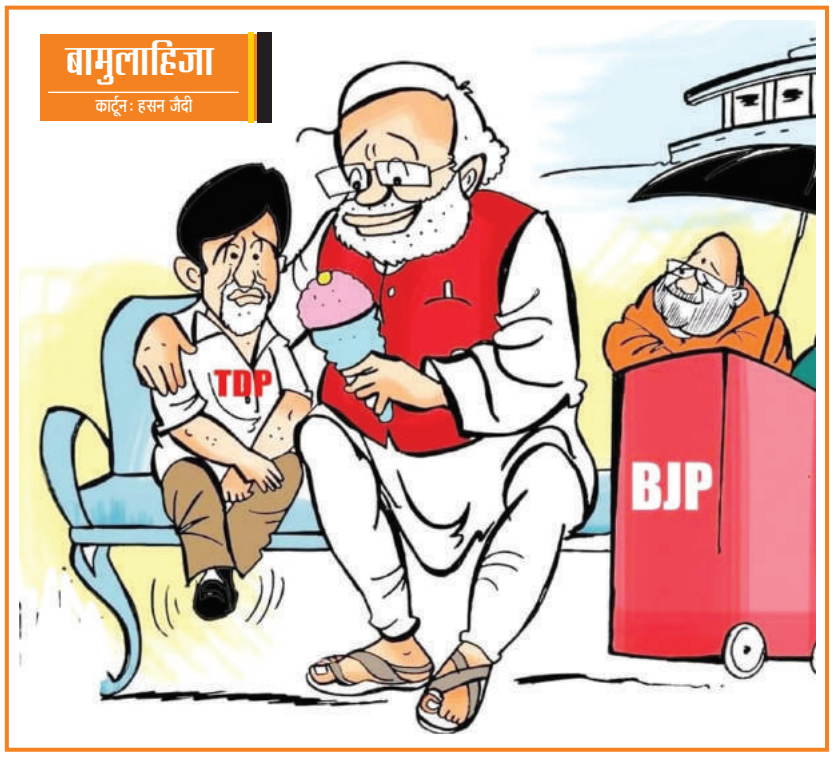

जीत मिलने पर विनम्र और जिम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए : अभिषेक बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में टीएमसी ने पश्चिम बंगाल की कुल 42 सीटों में से 29 सीट पर जीत हासिल की है। बनर्जी ने किसी निर्वाचित प्रतिनिधि का नाम नहीं लिया और न ही किसी घटना का जिक्र किया।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि किसी भी तरह की जीत मिलने पर विनम्र और जिम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए।

बनर्जी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक संदेश में कहा कि टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को राज्य के लोगों द्वारा पार्टी पर जताए गए विश्वास का सम्मान करने का प्रयास करना चाहिए। टीएमसी सांसद और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने पोस्ट में कहा, जीत मिलने पर विनम्रता और शालीन व्यवहार करना चाहिए। मैं टीएमसी के सभी नेताओं और सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे पश्चिम बंगाल के लोगों द्वारा हम पर जताए गए भरोसे का सम्मान करने का प्रयास करें।

सियासी दलों में हार-जीत पर शुरू हुआ 'मंथन'

संघ व संगठन की अनदेखी ले डूबी भाजपा को

यूपी में सपा व अखिलेश का उम्दा रहा प्लान

» विपक्ष की रणनीति बीजेपी पर पड़ी भारी
» कांग्रेस ने अपनाया सबसे कारगर फार्मूला
» आरएसएस से किसी फैसले में नहीं ली सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव खत्म हो गए। परिणाम आए गए। नई एनडीए सरकार ने कामकाज संभाल लिया। विपक्ष ने भी अपने को सशक्त भूमिका में लाने की कवायद शुरू कर दी है। अब सियासी गलियारें में विपक्ष के मजबूती से आगे बढ़ने व सत्ता में पुनः काबिज बीजेपी के पिछड़ने के कारणों पर चर्चा होने लगी है। मोटा-मोटी जो बात सामने निकल कर आ रही है की विपक्ष खास तौर कांग्रेस व क्षेत्रीय पार्टियों ने पूरे देश में बीजेपी के दस साल की कमियों को हर मंच तेजी से उठाया जिसकी वजह से जनता को वह मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट करने में कामयाब रहे है।

वहीं बीजेपी के हार के पीछे सबसे बड़ा कारण उसका दस साल की सत्ता का अहंकार, जनता के मुद्दों को अनेदखी व अपने पार्टी के लोगों को तव्वजों न देना रहा है। अब बीजेपी के पुराने नेताओं से लकर संघ तक के निशाने पर वर्तमान बीजेपी लीडरशीप आ गई है। संघ मुख्यालय नागपुर ने भी अब वर्तमान नेताओं को खरीखोटी सुनाना शुरू कर दिया है। वे अब आत्मचिंतन करने की सलाह दे रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में करीब आधी सीटों तक सिमटने वाली भाजपा की हार के भले ही कई कारण गिनाए जा रहे हों, पर संघ से दूरी भी एक बड़ी वजह है। संभवत: यह पहला चुनाव है जिसमें भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति तैयार करने तक में भी संघ से परामर्श नहीं लिया। लिहाजा संघ ने भी खुद को अपने वैचारिक कार्यक्रमों तक ही समेटे रखा। इसका भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। यह पहला चुनाव था जिसमें चुनावी प्रबंधन में संघ परिवार और भाजपा में दूरी दिखी। भाजपा ने किसी भी फैसले में उससे परामर्श करने तक की भी जरूरत नहीं समझी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मौन साध रखा था। आमतौर पर चुनाव में जमीनी प्रबंधन में सहयोग करने वाले संघ के स्वयंसेवक इस चुनाव में शायद ही कहीं दिखे हों। जिलों में न तो संघ और भाजपा की समन्वय समितियां दिखीं और न ही डैमेज कंट्रोल के लिए छोटे-छोटे स्तर पर अमूमन होने वाली संघ परिवार की बैठकें होती नजर आईं। कम मतदान पर लोगों को घर से निकालने वाले समूह भी इस चुनाव में कहीं नहीं दिखे। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो संघ ने चुनाव से किनारा कर लिया। संघ से जुड़े कुछ वर्तमान, पूर्व पदाधिकारियों व प्रचारकों के अनुसार इसकी मुख्य वजह भाजपा के एकांगी निर्णय और संघ परिवार के संगठनों के साथ संवादहीनता रही।

जमीन पर संगठन को सक्रिय नहीं कर सकी पार्टी

संघ से दूरी बनाने का दुष्परिणाम यह भी रहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाला भाजपा का संगठन भी पूरी तरह से सक्रिय नहीं रहा। माना जा रहा है कि संघ से बेहतर समन्वय नहीं बनने की वजह से भाजपा की अधिकांश बूथ कमेटियां व पन्ना प्रमुख भी निष्क्रिय बैठे रहे। वहीं संघ के स्थानीय कार्यकर्ता निरंतर जनता के बीच काम करते हैं और संगठन से जनता को जोड़ने में उनकी प्रमुख भूमिका होती है। समन्वय नहीं होने की वजह से दोनों तरफ के कार्यकर्ता उदासीन रहे। नतीजा यह हुआ कि तमाम घरों पर परिवारों तक पर्चियां तक नहीं पहुंच पाई। इस बार के चुनाव भाजपा ने हर लोकसभा क्षेत्र के लिए प्रभारी नियुक्त किया था, जो कोई करिश्मा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि ज्यादातर लोकसभा क्षेत्रों में बाहरी नेताओं को प्रभारी बनाया गया था, जिन्हें न तो संबंधित लोकसभा क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी थी और न ही जातीय समीकरण व मुद्दों की। मतदाताओं के बीच भी बाहरी प्रभारियों की कोई पकड़ नहीं थी। लिहाजा तमाम प्रभारियों ने जमीन पर काम करने के बजाय सिर्फ क्षेत्रों में होने वाले बड़े नेताओं के सभाओं में चेहरा दिखाने तक ही खुद को सीमित रखा।

नड्डा के बयान से भी हुआ बीजेपी का अवसान

माना जाता है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के बयान भाजपा अब पहले की तुलना में काफी मजबूत हो गई है। इसलिए उसे अब संघ के समर्थन की जरूरत नहीं है ने भी स्वयंसेवकों उदासीन कर दिया। संघ के एक पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि संघ अचानक तटस्थ होकर नहीं बैठा था।संघ से जुड़े सूत्रों के अनुसार 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले परिणामों के बाद आत्ममुग्धता से लबरेज भाजपा ने अपने सियासी फैसलों में संघ परिवार को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया था। भाजपा ने जब संघ परिवार की सलाह की अनदेखी कर एक के बाद एक कई ऐसे फैसले कर डाले, जिनसे संगठन की साख और सरोकारों पर विपरीत प्रभाव पड़ना लाजिमी था, इसलिए संघ ने भी अपनी भूमिका समेट ली। अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भी कुछ मतभेद उभरे।

सच्चा सेवक अहंकार नहीं दिखाता: भागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों ने मर्यादा का ध्यान नहीं रखा। महाराष्ट्र के नागपुर में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक सच्चा सेवक (जो लोगों की सेवा करता है) कभी अहंकार नहीं दिखाता और सार्वजनिक जीवन में हमेशा मर्यादा बनाए रखता है। संघ प्रमुख के हवाले से कहा कि एक सच्चा सेवक काम करते समय मर्यादा बनाए रखता है। जो मर्यादा रखता है वह अपना काम करता है, लेकिन अनासक्त रहता है। इसमें कोई अहंकार नहीं है कि मैंने ये किया। केवल ऐसे व्यक्ति को ही सेवक कहलाने का अधिकार है। उनकी यह टिप्पणी नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के एक दिन बाद आई है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा देखी जा रही है। मोहन भागवत ने कहा कि चुनावी राजनीति एक प्रतियोगिता है, युद्ध नहीं। चुनाव लोकतंत्र की एक अनिवार्य प्रक्रिया है, इसमें दो दल होते हैं इसलिए प्रतिस्पर्धा होती है। एक को आगे बढ़ाने और दूसरे को पीछे धकेलने का काम होता है। इसका उपयोग न करें, लोग निर्वाचित क्यों हो रहे हैं? वे संसद में जाकर बैठेंगे और देश को चलाएंगे, सर्वसम्मति बनाकर चलाएंगे, हमारी परंपरा सर्वसम्मति बनाकर चलाने की है।

संघ की संवाद बैठक का नहीं ले पाए लाभ

चुनाव की घोषणा के एक साल पहले ही संघ परिवार ने अपने वैचारिक कार्यक्रम के तहत जनता से संवाद शुरू कर दिया था। घोषणा होने तक हर लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक लाख बैठकें हो चुकी थीं। इसके तहत संघ के जमीनी कार्यकर्ता 10-20 परिवारों के साथ बैठकें करके मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने, सांस्कृतिक और राष्ट्रवाद के एजेंडे पर हुए कार्यों की चर्चा कर माहौल बनाया था, लेकिन भाजपा संघ के इस कवायद का भी फायदा नहीं उठा पाई।संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा ने कई क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ ही जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की। इसमें भी संघ परिवार के फीडबैक की अनदेखी की गई। खासतौर से गोरक्ष प्रांत और काशी के क्षेत्रीय अध्यक्ष और कुछ पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। वाराणसी समेत कई लोकसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में भारी कमी आने के पीछे पदाधिकारियों की मनमानी नियुक्ति को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

कई उम्मीदवारों से असहमत था संघ

बताया जाता है कि संघ ने कौशांबी, सीतापुर, रायबरेली, कानपुर, बस्ती, अंबेडकरनगर, जौनपुर, प्रतापगढ़ सहित प्रदेश की लगभग 25 सीटों के उम्मीदवारों पर असहमति जताई थी। साथ ही बड़े पैमाने पर दूसरे दलों के लोगों को भाजपा में शामिल करने पर भी नाराजगी व्यक्त की थी। जानकारी के मुताबिक, संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से कहा था कि दूसरे दलों के दागी और अलोकप्रिय चेहरों को शामिल करना उचित नहीं है। इससे गुटबाजी बढ़ रही है। साथ ही संगठन की साख पर भी सवाल उठ रहा है। पर, उसकी सलाह नहीं मानी गई। लिहाजा संघ उदासीन हो गया। भाजपा का चुनाव प्रबंधन तो पहले से ही कागजों पर था। संघ भी उदासीन हुआ तो ज्यादातर स्थानों पर न तो भाजपा के वोटरों को निकालने वाले दिखे और न उन्हें समझाने वाले। लिहाजा ज्यादातर मतदान केंद्रों पर 2014, 2019, 2017 और 2022 वाला प्रबंधन नहीं दिखा।

अयोध्या में सपा की जीत का भविष्य के चुनावों पर सीधा असर

सपा की रणनीति समझ ही नहीं पाए

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नाक की सीट रही अयोध्या (फैजाबाद) को जीतकर सपा ने भाजपा के राम मंदिर मुद्दे को फेल कर दिया है। साथ ही भविष्य में होने वाले चुनावों की दिशा भी बदलते हुए यह संकेत दिया है कि अब यहां राम मंदिर मुद्दा नहीं बचा है। चुनावों में फतह के लिए अन्य मुद्दों पर बात करने से ही बात बनेगी। बीच-बीच में अयोध्या आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे को ताजा करते रहे। 22 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही देश के कोने-कोने से नेताओं को यहां लाकर इस मुद्दे की गर्माहट बरकरार रखने की कोशिश हुई, लेकिन जनता ने भाजपा के इन तमाम प्रयासों को पूरी तरह नकार दिया। नतीजा यह रहा कि भाजपा सिर्फ प्रतिष्ठापूर्ण सीट फैजाबाद ही नहीं हारी, बल्कि मंडल की सभी सीटें व पूर्वांचल की कई अन्य प्रमुख सीटें भी हाथ से निकल गईं। अन्य सीटें हारने पर तो तरह तरह की चर्चाएं हो ही रही हैं, लेकिन मंदिर बनने के बाद भी अयोध्या की जनता का विश्वास न जीत पाने से कई सवालों का जन्म हुआ। इस फैसले ने अब देश में भविष्य में होने वाले चुनावों को एक नई दिशा दे दी है।

इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में अयोध्या फतह के लिए बड़ा प्रयोग किया। फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट सामान्य सीट है। यहां आमतौर पर हर लोकसभा चुनाव में अगड़े और पिछड़े के बीच समीकरण साधा जाता रहा है। पिछली बार भाजपा से लल्लू सिंह थे तो सपा ने आनंदसेन यादव को प्रत्याशी बनाया था। बाजी भाजपा के हाथ लगी थी। इस बार सपा ने रणनीति बदली। हमेशा की तरह पिछड़े और सामान्य जाति के उम्मीदवार उतारने के बजाय दलित उम्मीदवार उतारा। वह भी पासी बिरादरी का। इस सीट पर पासी बिरादरी का करीब डेढ़ लाख वोटबैंक है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कहां गई घर में घुस कर मारने वाली बातें !

जब एक ओर एनडीए सरकार शपथ ले रही थी उसी समय आतंकी अपनी ओछी हरकत को अंजाम दे रहे थे। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर पर आतंकी हमला करवाया है। इस हमले को लश्करे तैयबा के आतंकियों ने अंजाम दिया। चूकि बीजेपी व सहयोगी दलों के साथ पीएम बने नरेंद्र मोदी ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि लोगों ने जरूर सरकार से पूछा है इस हिमाकत का वह जवाब कब देगी। चूकि प्रधानमंत्री ने चुनावों के दौरान पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने की बात कई बार उठाई थी। वहीं संसद से लेकर सड़क तक यह बताया गया था कि धारा 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की कमर तोड़ी है। पर इससे पहले समय-समय पर आतंकियों द्वारा घुसपैठ करना, सेना की गाड़ियों पर हमला करना, गांवों में घुसकर आम लोगों को मारना जारी है इससे वर्तमान जम्मू-कश्मीर समेत भारत सरकार के नीतियों पर सवाल उठ रहा है।

उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र की नई सरकार ठोस कदम उठाते हुए ऐसी घटनाओं को रोकने का पूरा प्रयास करेगी। उधर रियासी में आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों की तलाश जारी है। पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ, सेना की टीमें तलाशी अभियान में जुटी हुई हैं। सुरक्षा कर्मियों की 11 टीमें बनाई गई हैं। खोजी कुत्तों के साथ ही ड्रोन की मदद से पहाड़ और जंगल का चप्पा-चप्पा खंगाला जा रहा है। रियासी के पोनी-त्रेयाथ बेल्ट के चारों ओर बहु-दिशात्मक घेराबंदी की गई है। जिले के साथ ही आसपास के जिलों में भी सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच सूचना मिली है कि पुलिस ने पूछताछ के लिए 20 से अधिक लोगों को उठाया। उनसे पड़ताल की जा रही है। सुरक्षा बलों ने जम्मू और राजोरी जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है और आतंकवादी हमले के बाद से ही तलाशी अभियान जारी है। रविवार को हुए आतंकियों ने रियासी के पौने की त्रेयाथ गांव के पास शिवखोड़ी धाम से वापस कटड़ा जा रही बस पर हमला किया। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली से तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस गोलीबारी के बाद एक गहरी खाई में गिर गई। हमले में नौ लोगों की मौत हो गई और करीब 41 लोग घायल हो गए। सुरक्षा बलों को संदेह है कि पाकिस्तानी आतंकवादी राजोरी और रियासी के पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए हैं और उन्होंने क्षेत्र में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। वे सुरक्षित संचार के माध्यम से पाकिस्तान की आईएसआई से निर्देश ले रहे हैं। ऐसी खबरें हैं कि एक स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर समेत चार आतंकवादी इस हमले में शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अबु हमजा के निर्देश पर किया गया। अब केंद्र सरकार को इस हमले के बाद सोचने के जरूरत हैं।

“ इस हमले को लश्करे तैयबा के आतंकियों ने अंजाम दिया। चूकि बीजेपी व सहयोगी दलों के साथ पीएम बने नरेंद्र मोदी ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि लोगों ने जरूर सरकार से पूछा है इस हिमाकत का वह जवाब कब देगी। चूकि प्रधानमंत्री ने चुनावों के दौरान पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने की बात कई बार उठाई थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र की संवैधानिकता को संबल देता जनादेश

डॉ. अश्विनी कुमार

सही मायनों में 2024 का जनादेश लोकतंत्र, गरिमा और न्याय के पक्ष में विपक्ष की नैतिक विजय है। चुनाव परिणाम केंद्रीकृत शक्ति के प्रति अविश्वास और बुनियादी संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति देशवासियों की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। चुनावी नतीजे स्वतंत्रता और न्याय को बरकरार रखने की हमारे संविधान निर्माताओं की शपथ व बुद्धिमत्ता को सलाम है। चुनावी परिणाम राष्ट्र की आत्मा की अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। यह जनादेश इतिहास के उस स्थायी सबक की पुष्टि करता है कि अपमानित और कमजोर लोगों की तीव्र पीड़ा को कठोर सरकारें भी लंबे समय तक कुचल नहीं सकतीं और सरकारों के झूठ को अंतत: उजागर किया जा सकता है। जनादेश का सबक है कि समय की जनभावना लोकतांत्रिक राजनीति को गढ़ती है। विपक्ष की आवाज ने एक बार फिर जनता की सामूहिक शक्ति को दर्शाया है।

संघीय राजनीति में क्षेत्रीय आकांक्षाओं की प्रासंगिकता और राष्ट्रीय राजनीति का पुनर्गठन भी जनादेश का अचूक संदेश है, जिसने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में गांधी परिवार के नेतृत्व को भी मान्यता दी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2024 का जनादेश हमारी चुनावी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता और भारतीय लोकतंत्र की अखंडता की पुष्टि करता है। प्रधानमंत्री बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने बीजेपी की ओर से चुनाव को अपने कंधों पर उठाते हुए कठिन अभियान के दौरान उल्लेखनीय दृढ़ता दिखाई। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार उनका शपथ लेना भारत के समकालीन राजनैतिक इतिहास में एक असाधारण घटना है। चुनावी झटके के बावजूद, प्रधानमंत्री अपनी पार्टी को एक अखिल भारतीय राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित करने का दावा कर सकते हैं, क्योंकि दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा ने अपने वोट शेयर में इजाफा किया है। इसलिये इस ऊर्जावान दौर में, विपक्ष को प्रधानमंत्री की राजनैतिक जीवनी को इतनी जल्द नकारने की गलती नहीं करनी चाहिए।

निश्चित रूप से, यह नतीजे प्रधानमंत्री के लिए एक बड़ी चुनौती हैं। एक थकाने वाले और विभाजनकारी चुनाव अभियान के बाद राष्ट्र की आहत आत्मा को सद्भाव के मलहम की आवश्यकता है। अल्पसंख्यकों का अलगाव, असहज चुनावी संवाद,

राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कानूनी और न्यायिक प्रक्रियाओं का विकृतीकरण, देश भर में सत्ताधारी दलों द्वारा संवैधानिक संस्थानों और नौकरशाही का दुरुपयोग व सभी स्तरों पर व्याप्त भ्रष्टाचार एक कमजोर लोकतंत्र के निराशाजनक संकेत हैं। स्वाभाविक तौर पर शपथग्रहण के बाद प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि वे जनादेश के प्रभाव को पहचानते हुए देश में संवैधानिक लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने के लिए कार्यशील हों। प्रधानमंत्री के सर्वोच्च पद के धारक के रूप में, देश के प्रथम सेवक को समस्त राष्ट्र के अहसास का प्रतिनिधित्व करना होगा। उन्हें अपने प्रभावी व्यक्तित्व द्वारा अपने राष्ट्रीय दृष्टिकोण को सामूहिक भाईचारे और सभी नागरिकों की गरिमा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जोड़ना होगा। उनसे अपेक्षा है कि वह जनादेश के संदेश को ध्यान में रखकर, उदार भाव रखते हुए अपने राजनीतिक विरोधियों के विचारों को भी मान्यता दें। उन्हें एक बहुलवादी समाज में समान नागरिकता के सिद्धांतों को अंजाम देना होगा। सही मायनों में यह जनादेश राष्ट्रीय नवीनीकरण के लिए मेल-मिलाप की राजनीति पर आधारित एक सहयोगात्मक उद्यम का संकेत देता है। राष्ट्र के नेता के रूप में, इसके लिए प्रमुख जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की है। इस प्रयास में, उन्हें अनिवार्य रूप से विपक्ष के रचनात्मक सहयोग की जरूरत होगी, क्योंकि इस समय विपक्ष राष्ट्र के बड़े हिस्से की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही विपक्ष, हर सरकारी कार्रवाई के प्रति निरंतर निंदात्मक और आलोचनात्मक नहीं हो सकता। उसे जनादेश के परिणाम का सम्मान करना होगा ताकि उसकी सार्वजनिक विश्वसनीयता बनी रहे। विपक्ष को डॉ. अंबेडकर की उस बुद्धिमत्ता को भी ध्यान में रखना होगा, कि संवैधानिक लोकतंत्र में अराजकतावादी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है।

2024 के जनादेश ने भारतीय लोकतंत्र और संवैधानिकता को संबल दिया है। इससे व्यापक स्वीकार्यता वाली नीतियों और शासन की अपेक्षा की जा सकती है। इससे हमारे युग की चुनौतीपूर्ण समस्याओं का समाधान होने के साथ राष्ट्र की एकजुटता बढ़ेगी। नई सरकार की कार्ययोजना के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री को उन कठोर दंड कानूनों को निरस्त या संशोधित करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए, जिनका नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन में नियमित रूप से दुरुपयोग किया जाता है। उन्हें मानवीय कानूनों को अधिनियमित करना चाहिए।

अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की बढ़ती ताकत

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों भारत के स्पेसटेक स्टार्टअप 'अग्निकुल कॉसमॉस' ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पहली बार अपने 'अग्निबाण' रॉकेट को लॉन्च किया है। ये भारत का इकलौता ऐसा रॉकेट इंजन है, जो गैस और लिक्विड दोनों ही तरह के ईंधन का इस्तेमाल करता है। अग्निकुल ने जिस रॉकेट को लॉन्च किया है, उस मिशन को 'अग्निबाण सबऑर्बिटल टेक डेमोंस्ट्रेटर सॉर्टेड-01' के तौर पर जाना जाता है। अग्निकुल कॉसमॉस भारत का एक स्टार्टअप है, जो रॉकेट्स बना रहा है। इसने श्रीहरिकोटा में अपना प्राइवेट लॉन्च पैड भी बनाया है, जहां से रॉकेट लॉन्च किया गया है। अग्निबाण एक सिंगल-स्टेज वाला रॉकेट है, जो सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पर काम करता है। इसे भारत में तैयार किया गया है और इसकी असेंबलिंग आईआईटी मद्रास में अग्निकुल की फैसिलिटी में हुई है।

अग्निबाण रॉकेट की सफल लॉन्चिंग के लिए 'इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो)' ने अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई देते हुए कहा कि एडिटिव मैन्युफैक्तरिंग के माध्यम से सेमी-क्रायोजेनिक लिक्विड इंजन की पहली कंट्रोल फ्लाइट के रूप में बड़ी कामयाबी हासिल की गई है। अग्निबाण रॉकेट का आसमान तक पहुंचना भारत के लिए बेहद ही खास है। जहां अभी तक इसरो के कंधे पर रॉकेट लॉन्चिंग की जिम्मेदारी होती थी। मगर अब प्राइवेट प्लेयर भी इस दिशा में कदम बढ़ाने लगे हैं। अग्निकुल कॉसमॉस एक ऐसी ही कंपनी है। रॉकेट लॉन्चिंग इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके लिए अग्निकुल ने अपने डाटा एक्यूजिशन सिस्टम और फ्लाइट कंप्यूटर्स का इस्तेमाल किया, जिन्हें 100 फीसदी खुद कंपनी ने ही तैयार किया है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि ये टेस्ट व्हीकल के प्रपल्शन सिस्टम को कंट्रोल करने के लिए सॉर्टेड व्हीकल के पूरे एवियोनिक्स चेन की काबिलियत भी दिखाता है। अग्निबाण रॉकेट ऑर्बिट में 100 किलोग्राम का पेलोड 700 किमी की ऊंचाई तक ले जा सकता है। अग्निबाण रॉकेट की लॉन्चिंग सिंगल पीस 3डी प्रिंटेड रॉकेट इंजन के साथ दुनिया की पहली उड़ान है। ये भारत की स्पेस सेक्टर में बढ़ रही ताकत को भी दिखा रहा है। अग्निकुल देश की दूसरी निजी रॉकेट भेजने वाली कंपनी है। इसके पहले स्काई रूट एयरोस्पेस ने अपना रॉकेट भेजा था।

अग्निबाण एक अनुकूलन प्रक्षेपण यान है जिसे एक चरण में लॉन्च किया जा सकता है। रॉकेट करीब 18 मीटर लंबा है और इसका द्रव्यमान 14,000 किलोग्राम है। 'अग्निबाण' पांच अलग-अलग कॉन्फिगरेशन में 100 से 300 किलोग्राम तक के पेलोड को 700 किमी की ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम है। यह निम्न और उच्च झुकाव वाली दोनों कक्षाओं तक पहुंच सकता है। अग्निबाण सब ऑर्बिटल टेक्नोलॉजिकल डेमोंस्ट्रेटर 'अग्निकुल' के पेंटेटेड अग्निलेड इंजन द्वारा संचालित एक एकल चरण लॉन्च वाहन है। अग्निबाण रॉकेट को 10 से अधिक विभिन्न लॉन्च पोर्ट से लॉन्च करने के लिए डिजाइन किया गया है। कई लॉन्च पोर्ट के साथ इसकी अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए, अग्निकुल ने 'धनुष' नामक एक लॉन्च पैड स्टेशन बनाया है, जो रॉकेट की सभी कॉन्फिगरेशन में इसकी गतिशीलता को सपोर्ट करेगा।

अग्निबाण रॉकेट सिंगल स्टेज रॉकेट है। जिसके इंजन का नाम अग्निलेट इंजन है और यह इंजन पूरी तरह से थ्रीडी प्रिंटेड है। यह 6 किलोन्यूटन की जबरदस्त ताकत पैदा करने वाला सेमी-क्रायोजेनिक इंजन है। अग्निबाण रॉकेट को पारंपरिक गाइड रेल से लॉन्च नहीं किया जाएगा। यह वर्टिकल लिफ्ट ऑफ करेगा। पहले से तय मार्ग पर जाएगा। रास्ते में ही तय मैन्यूवर करेगा। अग्निकुल के सह-संस्थापक और सीईओ श्रीनाथ रविचंद्रन ने बताया कि यह एक सबऑर्बिटल मिशन है। अगर यह सफल होता है, तो हम यह पता कर पाएंगे कि हमारा ऑटोपॉयलट, नेविगेशन और गाइडेंस सिस्टम सहीं से काम कर रहे हैं या नहीं। देश के जाने-माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अग्निकुल कॉसमॉस पर पैसा लगाया है। अग्निकुल एक स्पेस स्टार्टअप है। आनंद महिंद्रा ने करीब 80.43 करोड़ रुपये की फंडिंग की है। इस प्रोजेक्ट में आनंद महिंद्रा के अलावा पाई वेंचर्स, स्पेशल इन्वेस्ट और अर्थ वेंचर्स ने भी निवेश किया है। अग्निकुल कॉसमॉस की शुरुआत साल 2017 में हुई थी। इसे चेन्नई में स्थापित किया गया। इसे श्रीनाथ रविचंद्रन, मोइन एसपीएम और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर एसआर चक्रवर्ती ने मिलकर शुरू किया था। अग्निबाण 100 किलोग्राम तक के सैटेलाइट्स को धरती की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है।

आज हमारे पास अंतरिक्ष अवशेष प्रबंधन, नैनो उपग्रह, प्रक्षेपण यान, ग्राउंड सिस्टम, अनुसंधान जैसे नवीनतम क्षेत्रों में काम करने वाले 102 स्टार्टअप मौजूद हैं। पिछले साल से अब तक भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। भारत का लक्ष्य अब 2035 तक 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने और 2040 तक पहले भारतीय को चंद्रमा पर भेजने का है। नि:संदेह, अंतरिक्ष के क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ने से देश को बड़ा फायदा होगा। असल में, इसरो के मुताबिक वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का मूल्य करीब तीन सौ साठ अरब डालर है, लेकिन भारत की इसमें सिर्फ दो प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसरो का अनुमान है कि देश 2030 तक इस हिस्सेदारी को बढ़ा कर नौ प्रतिशत तक ले जा सकता है।

केरल की सबसे सुंदर जगह है

वागामोन

भारत के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक दक्षिण भारत का केरल राज्य है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली, धार्मिक स्थलों, शांत माहौल, झीलों के कारण लोकप्रिय है। केरल में कई पर्यटन स्थल हैं जो पर्यटकों को लुभाते हैं और बार-बार यहां आने के लिए उत्साहित करते हैं। इन्हीं जगहों में से एक वागामोन नाम की जगह है। वागमोन दक्षिण भारत का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, केरल की इडुक्की सीमा में स्थित कोट्टायम वागामोन का मुख्य आकर्षण है। वागामोन में घूमने और देखने के लिए पर्यटकों को काफी विकल्प मिल जाएंगे। कम पैसों में सुकून भरे सफर के लिए वागामोन आ सकते हैं। आज से कुछ साल पहले यह पहाड़ी स्थल एक गुमनाम जिंदगी जी रहा था, लेकिन आज यह दूर-दराज के ट्रैवलर्स की पसंदीदा जगह बन गया है। यहां असल कुदरती खूबसूरती का लुत्फ उठाया जा सकता है। व्यस्त जीवन शैली से दूर यह स्थल शानदार अवकाश बिताने के लिए एक आदर्श विकल्प है।

वागामोन झील

यह लेक शहर की सीमाओं के भीतर एक शानदार पर्यटन स्थल है। वागामोन में देखने लायक सबसे खूबसूरत जगहों में से एक यहां की झील है। हरी-भरी पहाड़ियों और पन्ना ग्रीन टी के बागानों के बीच स्थित इस झील का पानी शांत होता है, जो सुकून का अनुभव कराता है। परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ पिकनिक मनाने के लिए यहां आ सकते हैं। इसके अलावा वागामोन झील में कुछ वाटर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने को भी मिल सकता है। यह झील ज्यादा बड़ी नहीं है लेकिन आप यहां बोटिंग के साथ अन्य वाटर एक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं।

मारमला झरना

घनी हरियाली से घिरा सबसे सुंदर और मनमोहक झरनों में से एक है मारमाला झरना, जिसे जंगल की जादूगरनी के नाम से जाना जाता है। कोट्टायम जिले के ईराटूपेट्टा में स्थित मारमाला झरना पेड़ों, पहाड़ों और घनी झाड़ियों से घिरा है, जो जंगल की जादूगरनी के रूप में नजर आता है। मार्मला झरना वागामोन से 22 किलोमीटर दूर एराट्टूपेट्टा मार्ग पर स्थित है। पहले, झरने एक निजी संपति के अंदर थे और जनता के लिए पहुंच योग्य नहीं थे। लेकिन अब चूंकि यह जनता के लिए खुला है तो यह वागामोन पहाड़ियों में घूमने के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक बन गया है।

उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

वागामोन में उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सैन्चुरी स्थित है, जहां वन्य जीवों में रूचि रखने वाले जा सकते हैं। कुछ वक्त प्रकृति के बीच रहकर बिता सकते हैं। यहां आपको हाथी, बाघ समेत कई जानवर देखने, पहाड़ों और झीलों के बीच बोटिंग का लुत्फ उठाने को मिलेगा।

देवदार के जंगल

देवदार के जंगल में पहुंचकर आप प्रकृति के बेहद करीब खुद को महसूस करेंगे। शाम के समय यहां की सुंदरता देखते ही बनती है। वागामोन में आप देवदार के जंगल घूम सकते हैं। यह बेहद ही खूबसूरत जंगल है। देवदार के जंगल को कई फिल्मों में भी दर्शाया जा चूका है। यह अपने रोमांच और खूबसूरती के बल पर सैलानियों को यहां आने पर मजबूर करते हैं। ब्रिटिश राज्य के दौरान बसाया गया यह जंगल केरल के चुनिंदा सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक है।

हंसना मना है

लड़की वाले - हमारी लड़की तो गाय है जी? बाबुजी - मतलब इतनी शरीफ है? लड़की वाले - नहीं, मतलब चरती रहती है दिनभर.. कभी गोलगप्पे, कभी चाट, कभी पिज्ज़ा!

टीचर- A B C D सुनाओ, संता - A B C D टीचर- और सुनाओ.. संता- और सब बढ़िया, आप सुनाओ!

टीचर- कौनसा पंछी सबसे तेज उड़ता है? स्टूडेंट - सर, हाथी। टीचर- नालायक, तेरा बाप क्या करता है? स्टूडेंट- दाउद के गैंग में शूटर है। टीचर- शाबाश। टीचर-लिखो बच्चो हाथी।

टीचर- बच्चो, वादा करो कि कभी शराब, सिगरेट नहीं पिओगे। बच्चे- नहीं पीएंगे। टीचर-कभी लड़कियों का पीछा नहीं करोगे! बच्चे-नहीं करेंगे। टीचर- लड़कियों से दोस्ती नहीं करोगे! बच्चे- नहीं करेंगे। टीचर - वतन के लिए जान दे दोगे! बच्चे- दे देंगे, ऐसी जिन्दगी का करेंगे भी क्या!

टीचर- राजू तुम किसलिए कॉलेज आते हो। छात्र- विद्या के लिए सर। टीचर- तो आज तुम सो क्यों रहे हो। छात्र - आज विद्या नहीं आई है सर!

कहानी — राजा और मछुआरे

अंग देश के राजा के पास एक बेहद खूबसूरत तालाब था, जिसमें कई सारी मछलियां थी। जिनकी देखभाल एक मछुआरा करता था। वह राजा की सभी आज्ञा का पालन करता था। राजा को जब भी मछली खाने का मन करता मछली मंगवाते थे। मछुआरा बेहद स्वादिष्ट मछली लेकर आता था। एक दिन राजा के मन में यह सवाल आया कि भला हर बार यह इतनी स्वादिष्ट और बढ़िया मछली कैसे पकड़ सकता है। अपने गुप्तचरों से पता चलता है कि मछुआरे को तो मछली पकड़नी आती ही नहीं, राजा ने इसकी जांच मछुआरे को बुलवाया और कहा, सुनो, आज तुम मेरे लिए तालाब की सबसे बड़ी मछली पकड़कर लेकर आओ। मेरा मछली खाने का बहुत मन हो रहा है। मछुआरा मछली पकड़ने के लिए तालाब की ओर चल पड़ा। राजा भी पीछे-पीछे चल पड़ें। तालाब के पास पहुंचते ही मछुआरे ने एक मंत्र पढ़ा और तालाब की सबसे बड़ी मछली उसके पैरों के पास आकर गिर पड़ी। फिर मछुआरे ने तालाब को झुककर प्रणाम किया और वहां से महल की ओर निकल पड़ा। राजा यह नजारा देख बहुत आश्चर्य हुआ। एक दिन मौका देखकर राजा ने मछुआरे से मछली पकड़ने की विधि के बारे में पूछा। राजा ने कहा, तुम ऐसा कौन सा मंत्र जानते हो, जिसके बोलते ही मछली खुद-ब-खुद तुम्हारे पास आ जाती है। कृपा करके मुझे भी वह मंत्र सिखा दो। राजा की बात सुनकर मछुआरा अचरज में पड़ गया। उसने कहा, क्षमा कीजिए महराज! मैं इस मंत्र का उच्चारण आपको नहीं सिखा सकता हूं। अंत में मछुआरा मजबूर हो गया और मंत्र सिखा दिया। राजा तालाब के किनारे गए और उस मंत्र का उच्चारण किया। तभी एक मछली उनके पैरों के पास आकर गिर पड़ी। इसके बाद राजा बहुत खुश हुए। एक दिन उन्होंने अपने दरबार में सभी लोगों को इस मंत्र के बारे में बता दिया। सभी ने पूछा कि इस मंत्र के बारे में उन्हें किसने बताया। राजा ने कहा, एक महान ऋषि ने। सभी मंत्री मंत्र का उच्चारण करने लगे। लेकिन एक भी मछली तालाब से नहीं निकली। राजा को सभी मंत्रियों के सामने काफी शर्मिंदा होना पड़ा। इसके बाद वह उस मछुआरे पर गुस्सा होने लगे और उसे सजा सुनाने का आदेश दिया। तभी तालाब से अचानक एक आवाज आई, सुनो राजन! तालाब से एक भी मछली नहीं निकली इसमें मछुआरे का कोई दोष नहीं है, बल्कि इसमें गलती तुम्हारी है। तुमने अपने गुरु को गुरु नहीं माना, जिसने तुम्हें यह मंत्र सिखाया। इसलिए मछली तालाब से नहीं निकली। अगर तुम अपने गुरु को स्वीकार करते, तो ऐसा नहीं होता। राजा ने तुरंत मछुआरे से माफी मांगी और उसे अपने गुरु के रूप में स्वीकार किया। अब मंत्र काम करने लगा और राजा भी खुश हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन — शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क — प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह — भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

कन्या — शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला — शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक — पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु — किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मकर — कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ — मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। यश बढ़ेगा।

मीन — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

डायरेक्टर की एक घटना ने मुझे क्रिएटर बनने के लिए प्रोत्साहित किया : टिस्का

टिस्का चोपड़ा अपनी फिल्मों में दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिर वो हाल ही में रिलीज सस्पेस थ्रिलर मर्डर मुबारक हो या 'तारे जमीन पर' हो या 'दिल तो बच्चा है जी'। आमिर खान के साथ उन्होंने फिल्म 'तारे जमीन पर' पर ईशान की मम्मी के किरदार में देखा, जिसके लिए उन्हें दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। 50 साल की हो चुकी टिस्का आज भी फिल्मों में काफी एक्टिव हैं। हाल ही में उनका दर्द झलका और उन्होंने बताया वो क्यों जवानी-खूबसूरती के खिलाफ हैं टिस्का चोपड़ा हाल ही में खुलासा किया कि कैसे एक डायरेक्टर ने उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए पहले इंतजार कराया। उन्होंने उस किरदार के लिए तैयारी भी शुरू कर दी थी। लेकिन शूटिंग शुरु होने से ठीक 4 दिन पहले उन्हें फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। टिस्का चोपड़ा ने कई चौंताने वाले खुलासे किए। उन्होंने एक बातचीत में बताया कि यह कैसे हुआ। उन्होंने बताया कि शूटिंग शुरू होने से एक हफ्ते से भी कम समय बचा था, जब डायरेक्टर ने उन्हें ये कहा कि ये फैसला मेकर्स ने किया है। उन्होंने कहा कि खुद को रिप्लेस किए जाने के बाद उन्हें असलियत का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि इसी घटना ने उन्हें एक क्रिएटर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बातचीत में साल 2016 का एक किस्सा सुनाया। एक्ट्रेस ने कहा कि उस समय वो एक डायरेक्टर के काम से बेहद प्रभावित थी। दोनों एक प्रोजेक्ट पर काम भी कर रहे थे। कॉस्टयूम, लाइन्स सब कुछ फाइल था, लेकिन शूटिंग से करीब चार दिन पहले उन्हें रिप्लेस कर दिया गया। एक्ट्रेस को डायरेक्टर ने कहा कि उन्हें किसी यंग लड़की से रिप्लेस किया जा रहा है। डायरेक्टर ने ये भी कहा कि ये फैसला प्रोड्यूसर्स का है। टिस्का ने कहा कि इस घटना ने मुझे पूरी तरह से बदल दिया था।

एक्टर्स की गैरजरूरी डिमांड से ज्यादा कंटेंट पर हो फोकस : कृति सेनन

पिछले कुछ महीनों में बॉलीवुड के कुछ बड़े बजट वाले प्रोजेक्ट उम्मीद से बहुत कम कमाई में सिमट गए। भारी-भरकम प्रोडक्शन बजट वाले इन प्रोजेक्ट्स की नाकामी ने एक नई बहस की शुरुआत कर दी है। इन दिनों इंडस्ट्री में एक्टर्स की बेतुकी मांग को लेकर बहस छिड़ी हुई है। हाल ही में जहां कुछ एक्टर्स ने स्टार्स की डिमांड को जस्टिफाई किया, वहीं कई फिल्ममेकर्स ने कहा कि इसकी वजह से फिल्म का बजट बेमतलब बढ़ जाता है। इस साल तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू जैसी हिट्स दे चुकीं बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अब इस मामले पर अपनी राय रखी है। अब खुद अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर चुकीं कृति ने कहा कि एक्टर्स की डिमांड से ज्यादा फोकस हमेशा फिल्म के कंटेंट पर रहना चाहिए।

कृति ने कहा कुछ ऐसे एरिया हैं जहां बहुत सारा गैरजरूरी खर्च होता है। लेकिन अंत में सिर्फ कंटेंट ही जीतता है। कृति ने कहा कि एक्टर को कितना पेमेंट दिया जा रहा है इससे फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, अगर आप मेन चीज, यानी कंटेंट पर फोकस नहीं कर रहे हैं, तो मुझे नहीं लगता कि और किसी चीज से फर्क पड़ता है। मीडिया रिपोर्ट्स कहती हैं कि हाल ही में फिल्म संगठनों और पांच बड़ी टैलेंट एजेंसीज में इस बात पर डिस्कशन के लिए मीटिंग हुई कि प्रोडक्शन की कीमत बढ़ती जा रही है। हाल ही में फिल्ममेकर्स फराह खान और अनुराग कश्यप ने एक्टर्स की गैरजरूरी मांगों पर बात की थी। कृति ने एक एक्टर और प्रोड्यूसर, दोनों के नजरिए से इस बारे में बात की।

'दलदल' में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगी भूमि पेडनेकर

डेब्यू फिल्म से छा गई थीं एक्ट्रेस

बता दें, भूमि पेडनेकर ने साल 2015 में फिल्म 'दम लगा के हईशा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह आयुष्मान खुराना के अपोजिट नजर आई थीं। फिल्म में भूमि ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था जिसे अपने वजन के चलते अपने परिवार और समाज के ताने झेलने पड़ते हैं। उसके मोटापे के चलते उसका पति भी उससे प्यार नहीं करता है। फिल्म में समाज और अपने ही परिवार एक खिलाफ जाकर भूमि पने लिए स्टैंड लेती हैं और अपने आत्मसम्मान की लड़ाई लड़ती है।

बॉलीवुड | मसाला

भूमि पेडनेकर जल्द ही वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी इस अपकमिंग सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात की। वेब सीरीज 'दलदल' में भूमि पेडनेकर एक पुलिस अधिकारी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भूमि पेडनेकर ने अपने किरदार को एक सुपर अचीवर और ग्लास-सीलिंग ब्रेकर के रूप में बताया है, जो पुरुष-प्रधान दुनिया में अपने नियम खुद लिखती है।

एक्ट्रेस ने कहा, 'दलदल' एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो एक महिला होने के सभी गुणों को समेटे हुए है। रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली महिला है। मैं इस तरह की महिलाओं को अपना आदर्श मानती हूं और मैं प्राइम वीडियो जैसे ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इस तरह की सीरीज के लिए रोमांचित हूं, जो मुझे दुनिया को भारतीय महिलाओं की ताकत और मजबूती दिखाने का मौका देगा।'भूमि पेडनेकर ने कई कारणों से 'दलदल' को अपने सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक बताया है। एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में उनका किरदार बिना किसी संदेह के उनकी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। एक्ट्रेस के मुताबिक वर्क फ्रंट पर उनका ये साल अबतक बेहद रोमांचक रहा है। इससे पहले उनकी स्ट्रीमिंग फिल्म 'भक्षक' को न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी।

अजब-गजब | नए शोध में ऑस्ट्रिया को लेकर हुआ चौंकाने वाला खुलासा

यूरोप के सबसे सुंदर देशों में से है यह

नई रिसर्च में यूरोप के सबसे खूबसूरत देशों में से एक कहे जाने वाले ऑस्ट्रिया को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है। यह हैरानी वाला नतीजा इसलिए भी है कि अब तक सालों से, यहां तक कि इस साल भी दुनिया का सबसे खुशहाल देश फिनलैंड माना जाता रहा है। लेकिन इस शोध ऑस्ट्रिया को सुरक्षा, औसत वेतन और क्वालिटी ऑफ लाइफ के आधार पर ये दर्जा मिला है।

खुशहाल देश कौन सा है तो आप फिनलैंड का नाम लेंगे। जी हां! यह सही भी है क्योंकि साल 2024 की वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट के मुताबिक इसी देश का नाम है। लेकिन एक रिसर्च में नतीजे कुछ और ही मिले हैं और इसमें जिस देश का नाम सबसे ज्यादा खुशहाल देश के तौर पर सामने आया है वह फिनलैंड बल्कि यूरोप का सबसे खूबसूरत कहा जाने वाला देश ऑस्ट्रिया है।

ये चौंकाने वाले नतीजे कैसीनो डॉट कॉम के हाल ही में वैश्विक आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किए गए शोध में हासिल किए गए हैं। इसमें औसत वेतन, बेरोजगारी दर, अपराध दर, धूप के घंटे और रिटायर होने की औसत आयु पर ध्यान दिया गया था। इसी में ऑस्ट्रिया को संभावित 10 में से 7.26 का खुशी स्कोर मिला, जिससे वह पहले स्थान पर आ गया। ऑस्ट्रिया को जीवन की गुणवत्ता, औसत वेतन और सुरक्षा जैसे कारकों के आधार पर दुनिया का सबसे खुशहाल देश माना गया है। यह

यह देश ऊंचे पहाड़ों और चमचमाती झीलों के हैरतअंगेज नाजारों के लिए मशहूर है। जमीन से घिरा यह देश यूरोप के बीच में है जहां राजधानी विएना जैसे कई आकर्षक शहर और अल्पबाक जैसे गांव भी हैं। हैरानी की बात यह है कि यह शोध वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2024 से थोड़ा अलग है, जिसमें फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश बताया गया है। हालांकि, आधिकारिक वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2024 के अनुसार ऑस्ट्रिया वैश्विक स्तर पर 14वें सबसे खुशहाल देश के रूप में सामने आया है। कैसीनो डॉट कॉम के शोध में बताया गया है कि ऑस्ट्रिया ने अपने विश्लेषण में मुख्य कारकों में उच्च स्कोर किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑस्ट्रिया ने सभी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत उच्च स्कोर किया है, हमने जिन छह कारकों पर गौर किया उनमें से चार के लिए शीर्ष 10 में स्थान बनाया है। यहां क्वालिटी ऑफ लाइफ बहुत ज्यादा है, औसत वार्षिक वेतन 50,436 पाउंड यानी 53 लाख 64 हजार रुपये है, और सेवानिवृत्ति की आयु 62.5 साल है। वहीं विजन ऑफ ह्यूमैनिटी ने हाल ही में जारी विश्वशांति सूचकांक के आधार पर ऑस्ट्रिया को दुनिया का पांचवां सबसे शांतिपूर्ण देश भी नामित किया गया है ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में दुनिया भर से लोग आकर ठहरना और घूमना पसंद करते हैं। 20 लोगों वाले इस अनोखे शहर को रहने और घूमने के लिए बहुत ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। ऑस्ट्रिया की इस राजधानी में अपराध का स्तरत काफी कम है और इसके भरोसेमंद पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कारण यहां रात में भी घूमने का सुरक्षित माना जाता है। यह शहर खास तौर पर अपने खूबसूरत महलों के लिए जाना जाता है और सर्दियों में यह क्रिसमस बाजारों की जगमगाती रोशनी से जगमगा उठता है। ऑस्ट्रिया के शहर ही नहीं बल्कि ग्रामीण इलाकों की खूबसूरती भी दुनिया में कम मशहूर नहीं हैं। इसके अल्पबाक गांव ने अपनी पारंपरिक लकड़ी की वास्तुकला और रंग-बिरंगे फूलों की प्रचुरता के कारण ऑस्ट्रिया का सबसे सुंदर गांव का खिताब जीता है। यहां 400 से अधिक स्नान झीलें हैं जो दुनिया भर से गर्मी के मौसम में पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इनमें से सबसे खूबसूरत झीलों में से एक है टिरोल में लेक एचेनसी जिसे 20,000 साल से भी पहले ग्लेशियरों ने आल्प्स से तराशा था।

खूबसूरत होने पर भी बहुत खतरनाक है ये द्वीप, यहां की गुफाएं हैं मशहूर

रीयूनियन द्वीप हिंद महासागर में मौजूद एक बहुत ही खूबसूरती आइलैंड है। कुदरती नजारों से भरपूर यह द्वीप तैराकों और सर्फिंग करने वालों के लिए बहुत ही खतरनाक माना जाता है और लोग यहां पानी के अंदर जाने से भी डरते हैं। लेकिन यहां की गुफाओं ने यहां की सुंदरता को बढ़ाने का काम किया है। अपने खूबसूरत नजारों और आकर्षक समुद्र तटों के बावजूद, रीयूनियन द्वीप अपने पानी के नीचे एक खतरनाक रहस्य छुपाए हुए है। शार्क के हमलों ने इस द्वीप को त्रस्त कर दिया है, जिससे यह तैराकों और सर्फरों के लिए सबसे खतरनाक जगहों में से एक बन गया है। हिंद महासागर के बीच में मौजूद यह द्वीप अपनी कई खासियतों के लिए मशहूर है। रीयूनियन द्वीप का सक्रिय ज्वालामुखी ले पिटोन डे ला फोरनेज 1640 से अब तक सौ से भी ज्यादा बार फट चुका है। जब इससे धुंआ निकलता है तो पूरे द्वीप से दिखाई देता है। इसकी कुल तटरेखा सिर्फ 207 किमी है। यहां पर लावा बहना लोग बहुक खास बात नहीं मानते हैं। यह काफी सुरक्षित है, क्योंकि जलता हुआ लावा सीधे समुद्र में बहता है। वास्तव में एक सक्रिय और एक निष्क्रिय ज्वालामुखी, दोनों ने ही इस द्वीप को आकार दिया है। रीयूनियन द्वीप फ्रांसीसी क्षेत्र है, लेकिन यहां फ्रांस, मोजाम्बिक, भारत, चीन, मेडागास्कर और कोमोरोस के लोग रहते हैं। यह इस जगह को कई संस्कृतियों के मेल से पूरी तरह से अनोखा बना देता है। यहां कई देशों के तैयार मनाए जाते हैं हैरानी की बात नहीं कि यहां दीपावली भी मनाई जाती है। रीयूनियन द्वीप की एक खासियत यहां लावा के प्रवाह से बनी सुरंगें हैं। यही बात रीयूनियन द्वीप को दुनिया का सबसे अनोखा द्वीप बना देती है। इन सुरंगों की अप्रत्याशित और भव्य यात्रा द्वीप के भूवैज्ञानिक रहस्यों को उजागर करती हैं। वे तब बनीं जब लावा की ऊपरी परत ठंडी हो गई और मैग्मा का प्रवाह जारी रहा। इन्हें देखने के लिए गाइड को साथ लेजाना ज्यादा बेहतर होता है। रीयूनियन द्वीप के दिल में छिपे हुए गांव हैं, जो इतने दूर और ऊंचे पहाड़ों में हैं कि बेकरी और किराने की दुकानों को हेलीकॉप्टर से आपूर्ति करनी पड़ती है। वहां केवल पैदल या हेलीकॉप्टर से ही पहुंचा जा सकता है। इस जगह के शुरुआती निवासी भागे हुए गुलाम थे। उन्होंने इन सुदूर स्थानों को अपनी शरणस्थली के रूप में चुना क्योंकि वहां पहुंचना बहुत कठिन था। कम लोग जानते हैं कि रीयूनियन एक नेशनल पार्क और विश्व धरोहर है। ज्वालामुखियों की चोटियां और घाटियां शानदार कुदरती नजारे बनाती हैं वर्षावन, धुंध भरे दलदल और अधिकांश समय बारिश यहां के जंगल को बहुत ही अनोखा बना देती हैं।

अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और यूएई की कंपनी में करार

» ईडीजीई ग्रुप ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग समझौते पर किए हस्ताक्षर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपनी उन्नत प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध संयुक्त अरब अमीरात के ईडीजीई समूह के साथ एक सहयोग समझौता किया है। एक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह सहयोग दोनों कंपनियों की रणनीतिक रक्षा और सैन्य विशेषज्ञता को मर्ज करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें मिसाइल, हथियार, मानव रहित प्लेटफॉर्म और साइबर सिस्टम जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इस साझेदारी की भारत, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य वैश्विक बाजारों में अनुसंधान और विकास सुविधाएं स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना है। रक्षा क्षेत्र में तकनीकी प्रगति लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और संयुक्त अरब अमीरात के ईडीजीई समूह भारत और संयुक्त अरब अमीरात में अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं स्थापित करने पर विचार करेंगी।

यह समझौता भारत के डिफेन्स इंडस्ट्री के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करेगा : अलमरार

ईडीजीई ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हमद अलमरार ने कहा कि अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के साथ हमारा समझौता एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है, जो भारत के डिफेन्स इंडस्ट्री के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करता है औरयूएई-भारत सैन्य संबंधों को आग बढ़ाने केप्रति हमारी परस्पर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह समझौता हमारे ग्राहकों केलिए सबसे एडवांस और बेहतरीन प्रोडक्ट्स लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाने के साथ-साथ वैश्विक निर्यातक्षमता का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण यूएई-निर्मित टेक्नोलॉजी को भी शामिल करता है। हम अडानी डिफेंस और एज के बीच जॉइंट प्लेटफार्म स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं ताकि नईटेक्नोलॉजी का रास्ता साफकिया जा सकेऔरएडवांसमिलिट्री उपकरण तथा डिफेन्स सेक्टर में नए स्टैंडर्ड्स स्थापित किए जा सकें। अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस के साथ हुए समझौते से एज की भारत के डिफेन्स इंडस्ट्री के क्षेत्र में और ज्यादा दिलचस्पी बढ़ गईहै। ये क्षेत्र उनके लिए काफी अहम है।

सभी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करेंगे : सीईओ

अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष राजवंशी और एज ग्रुप के प्रबंध निदेशक और सीईओ हमाद अल मरार ने रक्षा क्षमताओं और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। यह समझौता दोनों कंपनियों की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमताओं का लाभ उठाकर वैश्विक और स्थानीय दोनों ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें ईडीजीई और अडानी के मुख्य उत्पाद डोमेन में सहयोग की खोज शामिल है। इसके अलावा, सहयोग की योजना रक्षा और एयरोस्पेस समाधानों के विकास, उत्पादन और रखरखाव के लिए सुविधाएं स्थापित करने की है। ये सुविधाएं न केवल दो कैप्टिव बाजारों को, बल्कि दक्षिण पूर्व एशियाई और व्यापक वैश्विक बाजारों को भी पूरा करेंगी।

मणिपुर पर मोहन भागवत का बयान देर से आया : अशोक गहलोत

» बोले- केंद्र सरकार पर दबाव बनाएं, ताकि रोकी जा सके हिंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मणिपुर हिंसा पर संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि मणिपुर हिंसा की उपेक्षा को लेकर भागवत का बयान बहुत देर से आया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में केंद्र सरकार ने मणिपुर में हो रहे आंतरिक संघर्ष और हिंसा को गंभीरता से नहीं लिया है। गहलोत ने कहा कि मणिपुर एक छोटा राज्य है, लेकिन भारत का अभिन्न अंग है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी मणिपुर जाने का प्रयास नहीं किया, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई बार मणिपुर का दौरा किया। गहलोत ने भागवत से आग्रह किया कि वह केंद्र सरकार पर दबाव बनाएं, ताकि मणिपुर में हिंसा को रोका जा सके। गौरतलब है कि मणिपुर में लंबे समय से जातीय और सामुदायिक हिंसा की घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। अशोक गहलोत ने इन हालातों पर केंद्र सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की। भागवत से केन्द्र सरकार को मजबूर करने की अपील की है कि वह मणिपुर पर ध्यान दें।

लाखों बच्चों का भविष्य असमंजस में: जीतू पटवारी

» बोले- नीट परीक्षा को लेकर जवाब दे मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। नीट यूजी परीक्षा 2024 रिजल्ट को लेकर देश भर में आक्रोश हैं वहीं कांग्रेस लगातार इसको लेकर सरकार को घेर रही है। मध्यप्रदेश में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया है। उन्होंने कहा है डबल इंजन की सरकार को छात्रों के भविष्य को लेकर जवाब देना चाहिए। जीतू पटवारी ने एक्स पर लिखा है कि प्रधानमंत्री जी डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर भर्ती परीक्षाओं तक यदि किसी प्रदेश में सबसे ज्यादा शर्मनाक दौर देखा है तो वह हमारा मध्यप्रदेश है।

नीट यूजी परीक्षा के माध्यम से एक बार फिर देश के लाखों बच्चों का भविष्य गंभीर असमंजस का सामना कर रहा है। बीजेपी सरकार ही इसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदार है। केंद्र सरकार को देश को यह बताना ही चाहिए कि एक ही परीक्षा सेंटर पर छह टॉपर कैसे? क्योंकि टॉपर्स की मेरिट लिस्ट में आठ छात्रों के रोल नंबर एक ही सीरीज के हैं।

ये भटकती आत्मा पीछा नहीं छोड़ेगी: पवार

» प्रधानमंत्री मोदी पर किया पलटवार, बोले- शेयर बाजार 'घोटाले' की हो जेपीसी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी पर उनके भटकती आत्मा वाले तंज को लेकर उन पर पलटवार किया। पवार ने खुद को भटकती आत्मा बताया और कहा कि यह रहेगी और पीएम मोदी का साथ कभी नहीं छोड़ेगी।

महाराष्ट्र के अहमदनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए एनसीपी शरत चंद्र पवार गुट के प्रमुख शरद पवार ने केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने को लेकर पीएम मोदी पर कटाक्ष किया। देश की जनता ने उन्हें बहुमत नहीं दिया। क्या सरकार बनाते समय उन्होंने आम जनता की सहमति ली थी? उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री से मदद ली। चुनाव के दौरान पीएम मोदी जहां भी जाते थे, कभी भारत या भारत सरकार नहीं कहते थे। वह कहते थे मोदी सरकार और मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि लेकिन लोगों ने दिखाया कि वे इंडिया ब्लॉक के साथ हैं। उन्होंने यहां आकर कहा कि मैं एक भटकती हुई आत्मा हूं। लेकिन ये भटकती आत्मा हमेशा रहेगी। यह तुम्हें कभी नहीं छोड़ेगा। अप्रैल में पीएम मोदी ने शरद पवार पर परोक्ष हमला करते हुए उन्हें भटकती आत्मा कहा और महाराष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता के लिए उन्हें दोषी ठहराया।

विभागों के बंटवारे के बाद नायडू और नीतीश असंतुष्ट : संजय राउत

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू असंतुष्ट हैं। संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राकांपा प्रमुख शरद पवार के लिए इस्तेमाल किये गये शब्द भटकती आत्मा का भी जिक्र किया और कहा कि यह भटकती बेचैन आत्मा तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक कि केन्द्र और महाराष्ट्र में भाजपा नीत सरकारों को बेदखल नहीं कर दिया जाता। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि अगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को लगता है कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार देश के हित में नहीं है तो उन्हे इसे गिरा देना चाहिए। राउत ने कहा, केंद्र में दो अतृप्त आत्माएं हैं- (बिहार के मुख्यमंत्री) नीतीश कुमार और (टीडीपी प्रमुख) चंद्रबाबू नायडू। आपको (भाजपा को) इन दो अतृप्त आत्माओं को संतुष्ट करना चाहिए। जिस तरह से विभागों का बंटवारा किया गया है, उससे ऐसा लगता है कि सभी आत्माएं असंतुष्ट हैं, खासकर राजग के सहयोगी। विभागों के आवंटन में नीतीश कुमार की जनता दल-यूनाइटेड के ललन सिंह को पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय मिले, जबकि तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के के. राममोहन नायडू को नागरिक उड्डयन मंत्रालय मिला है।

रिजवान का अर्धशतक, पाक को नसीब हुई जीत

» टी20 वर्ल्डकप में कनाडा को 7 विकेट से दी मात

» रऊफ ने जमाया विकटों का शतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्डकप में कनाडा को हराकर पिछले दो हारों के जख्म को कुछ हद तक कम करने का प्रयास किया। इस मैच में मोहम्मद रिजवान के 53 रन की बदौलत पाकिस्तान ने कनाडा को सात विकेट से हराया। कनाडा ने पाकिस्तान को कनाडा ने 107 रन का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तान ने तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वहीं पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने विकेटों का शतक बना दिया और अपना नाम रिकॉर्ड बुक में लिखवा दिया।

हारिस ने कनाडा के खिलाफ भी दमदार गेंदबाजी की। रऊफ ने अपने कोटे के चार ओवरों में 26 रन देकर दो विकेट हासिल किए। इसी दौरान उन्होंने एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रऊफ ने जैसे ही श्रेयस मोवा का विकेट लिया उन्होंने एक खास लिस्ट में अपना नाम लिखवा लिया। श्रेयस का विकेट लेकर रऊफ के टी20 इंटरनेशनल करियर में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह ये शतक जमाने वाले तीसरे सबसे तेज गेंदबाज हैं। रऊफ से पहले टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 विकेट अफगानिस्तान के राशिद खान और श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा ने लिए हैं।

जंपा की फिरकी पर नाचा नामीबिया, ऑस्ट्रेलिया जीता

ऑस्ट्रेलिया के स्टार लेग स्पिनर एडम जंपा ने बुधवार को नामीबिया के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 24वें मैच में घातक गेंदबाजी करके इतिहास रच दिया। जिसकी बदौलत अस्ट्रेलिया ने नामीबिया को नौ विकेट से हराया। जंपा ने अपने 4 ओवर के स्पेल में केवल 12 रन देकर चार विकेट झटके। जंपा ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले वो ऑस्ट्रेलिया के पहले गेंदबाज बने। जंपा ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर के 100 विकेट पूरे किए। जंपा टी-20 में 100 या ज्यादा विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में एडम जंपा ने अपनी फिरकी पर नामीबिया के बल्लेबाजों को खूब नचाया। लेग स्पिनर ने अपने चार ओवर के स्पेल में केवल 12 रन देकर चार विकेट चटकाए। जंपा ने अपने करियर के 83वें टी20 इंटरनेशनल मैच में 100 विकेट का आंकड़ा छुआ।

जम्मू में तीन दिन में तीसरी आतंकी वारदात के बाद कटघरे में आई एनडीए सरकार

विपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर उठाए सवाल, रियासी में बस पर अटैक, कठुआ में घर में घुसे, डोडा में पुलिस पर हमला

» आईबी के पास घर में जबरन घुसे आतंकी, मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी मार गिराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू में तीन दिनों में यह तीसरी आतंकी हमला है, पहले रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी जिसमें नौ यात्री मारे गए थे। फिर कठुआ में आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक नागरिक घायल हो गया। इसके बाद डोडा में पुलिस नाके पर हमला किया है। जम्मू संभाग में आतंकी वारदातों में इजाफा हुआ है। तीन दिनों में तीसरी आतंकवादी घटना हुई है। इन घटनाओं के बाद विपक्ष के निशाने पर आ गई है एनडीए सरकार। कांग्रेस, पीडीपी व नेक्रां समेत इंडिया गठबंधन के साथी दलों ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया है इस घटनाओं के बारे में वह क्यो नहीं बोलते।

आपको बता दें कि कठुआ जिले के हीरानगर इलाके के सैडा सोहल गांव में मंगलवार की रात एक घर में घुसे आतंकियों की पुलिस से हुई मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी आतंकी मार गिराया गया। इस दौरान आतंकियों की फायरिंग में एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके बाद किसी तरह से परिवार वालों ने सुरक्षा बलों को सूचना दी। बताते हैं कि यह गांव कठुआ व सांबा जिले की सीमा पर है। अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से लगभग 15 किलोमीटर दूर इस गांव में शाम करीब आठ बजे ग्रामीणों ने संदिग्ध लोगों की हरकत देखी। इस दौरान दो आतंकी एक घर में घुस गए और पानी मांगने लगे।

जम्मू संभाग में तीन दिन में तीसरी आतंकी घटना

रविवार को जम्मू संभाग के रियासी जिले में आतंकियों ने शिवखोड़ी धाम से लौट रही बस पर हमला कर दिया था, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई थी और 41 लोग घायल हुए थे। इसके बाद मंगलवार को कठुआ के सैडा सोहल गांव में आतंकी वारदात हो गई। इसके साथ ही छत्रगलां में भी आतंकियों ने नाका पार्टी पर हमला किया।

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद अभी भी मौजूद : फारुक अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य अच्छा है, लेकिन आतंकवाद अभी भी जीवित है क्योंकि पाकिस्तान के साथ सीमा सुरक्षा चक्र भेद है। रियासी आतंकी हमले के बारे में पूछे जाने पर फारूक अब्दुल्ला ने बारामुला में रियासी में हुए आतंकी हमले की निंदा की। आगे उन्होंने कहा, सुरक्षा (परिदृश्य) अच्छा है। आतंकवाद मौजूद है। हमारी सीमा पारगम्य है और हर जगह नियंत्रण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, मुझे खेद है कि निर्दोष तीर्थयात्रियों, निहत्थे लोगों पर हमला किया गया। हम सभी, राज्य के लोगों को इसकी निंदा करनी चाहिए और प्रार्थना करनी चाहिए कि भगवान उन लोगों को नरक में भेजे जिन्होंने ऐसा किया। इस महीने के अंत में शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को तीर्थयात्रा के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने हमेशा इसका स्वागत किया है और यात्रियों को सहज महसूस कराने का प्रयास किया है। ईश्वर की इच्छा से इस वर्ष भी यात्रा सौहार्दपूर्ण वातावरण में होगी।

मोदी व शाहबाज समकक्ष एक-दूसरे को बधाई देते रहे

नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा एक्स को बधाई पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर, नेकां अध्यक्ष ने कहा कि दोनों समकक्ष एक-दूसरे को बधाई देते रहें, लेकिन उन्हें सौहार्दपूर्ण माहौल में काम करना चाहिए।

फोटो: सुमित कुमार

ध्वस्तीकरण राजधानी लखनऊ के अकबरनगर में अवैध निर्माण ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई जारी है। कुकरैल रिवर फ्रंट के दायरे में आने वाले अवैध फर्नीचर शोरूम, दुकान व मकान गिराए जा रहे हैं। इस दौरान विरोध जताने वाले लोगों को पुलिस ने अपने हिरासत में ले लिया।

चंद्रबाबू ने ली आंध्र के सीएम पद की शपथ

पीएम मोदी और शाह समेत कई दिग्गज मौजूद रहे, पवन कल्याण ने मंत्री पद की शपथ ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। बतौर सीएम चंद्रबाबू नायडू का यह चौथा कार्यकाल है। वहीं, पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। यह चौथी बार है जब चंद्रबाबू नायडू आंध्र के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद दूसरी बार वो सीएम बने।

आंध्र प्रदेश के विभाजन से पहले नायडू, साल 1995 में पहली बार मुख्यमंत्री बने और उन्होंने लगातार नौ वर्षों तक 2004 तक राज्य का नेतृत्व किया। इसके बाद वो दूसरी बार साल 2014 में सीएम बने।

कई अन्य नेता भी हुए शामिल

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, नितिन गडकरी, रामदास अठावले, अनुप्रिया पटेल और चिराग पासवान, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल और पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू विजयवाड़ा में टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के सीएम-पदनाम एन चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

मोहन मांझी बने ओडिशा के नए सीएम

ओडिशा के क्योंझर से भाजपा विधायक मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री बने गए। वहीं पार्टी ने दो डिप्टी सीएम भी चुने हैं - के वी सिंह देव के साथ प्रावती परिदा जो राज्य की पहली महिला डिप्टी सीएम बनेंगी। नवीन पटनायक के 24 साल के शासनकाल के बाद भाजपा ने ओडिशा में बीजू जनता दल को सत्ता से हटा दिया। भाजपा ने विधानसभा की 147 सीटों में से 78 सीटें जीतीं और तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन से उनकी ताकत 81 हो गई। 52 वर्षीय माझी के साथ दो उपमुख्यमंत्री भी शपथ लेंगे।

बालू भरा ट्रक पलटा, आठ लोगों की मौत

» हरदोई में दर्दनाक हादसा, चालक और हेल्पर हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। हरदोई जिले में मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव मार्ग पर बालू भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झोपड़ी पर पलट गया। घटना में झोपड़ी में सो रहे चार मासूम बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दंपती, उनके चार बच्चे और एक दामाद शामिल हैं। एक बच्ची घायल भी है। मल्लावां कस्बे में उन्नाव मार्ग पर चुंगी नंबर दो के पास सड़क किनारे नट बिरादरी के लोग सड़क किनारे झोपड़ी बनाकर रहते हैं।

मंगलवार आधी रात के बाद कानपुर से हरदोई जा रहा बालू भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे अवधेश उर्फ बल्ला की झोपड़ी पर पलट गया। इसकी जानकारी पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों और जेसीबी की मदद से ट्रक सीधा करने के बाद बालू हटवाई, लेकिन तब तक अवधेश उर्फ बल्ला (45), उसकी पत्नी सुधा उर्फ मुंडी (42), पुत्री सुनैना (11) , लल्ला(5) , बुद्धू (4), हीरो (22) उसका पति बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के कासुपेट निवासी करन (25) उसकी पुत्री कोमल उर्फ बिहारी (5) की मौत हो चुकी थी।

अवधेश की एक पुत्री बिट्टू घटना में घायल हुई है। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के छिबरामऊ निवासी अवधेश और हेल्पर शहर कोतवाली क्षेत्र के अनंग बेहटा निवासी रोहित को हिरासत में ले लिया है।

उत्तरकाशी में बस दुर्घटना में तीन महिला श्रद्धालुओं की मौत

उत्तराखंड में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी के समीप एक बस के अनियंत्रित होकर खाई में गिरने से तीन महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और 24 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर रात गंगनानी से 50 किलोमीटर पहले हुए हादसे के दौरान बस अनियंत्रित होकर क्रैश बैरियर तोड़कर खाई में गिर गयी। पुलिस के मुताबिक, खाई में गिरते ही बस पेड़ के सहारे अटक गयी, जिस कारण हादसे में जनहानि कम हुई। पुलिस ने बताया कि गंगोत्री से उत्तरकाशी की ओर जा रही बस में कुल 27 श्रद्धालु सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव और राहत कार्य शुरू किया गया और घायलों को निकालकर स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी और उत्तरकाशी जिला अस्पताल भेजा गया।पुलिस के मुताबिक,मृतकों की पहचान उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के रूद्रपुर की रहने वाली दीपा तिवारी और हल्द्वानी की रहने वाली नीमा टेडा तथा मीना रेकवाल के रूप में हुई है। इसी स्थान पर 2010 में एक ट्रक खाई में गिरा था, जिसमें 27 कांवड़ यात्रियों की मौत हो गयी थी। वर्ष 2023 में भी यहां एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।